असीमित ऊर्जा, अनन्त संभावनाएं
Endless energy. Infinite possibilities.

राजभाषा विभाग

आरईसी मुख्यालय में दिनांक 03 अक्टूबर, 2025 को आयोजित हिंदी कार्यशाला की रिपोर्ट

राजभाषा विभाग द्वारा विभिन्न कार्यालयों को हिंदी में कार्य करने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करने के निर्देश समय-समय पर जारी किए जाते हैं। इन कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा का ज्ञान रखने वाले सरकारी कार्मिकों की हिंदी में काम करने की झिझक को दूर करना है।

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं कार्मिकों द्वारा सरकारी कार्य में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए आरईसी मुख्यालय, गुरुग्राम में दिनांक 03 अक्टूबर, 2025 को कार्मिकों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

हिंदी कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रुप में विद्युत मंत्रालय के हिंदी अनुभाग के उप निदेशक (राजभाषा) श्री शमशेर सिंह जी आमंत्रित थे। उन्होंने हिंदी कार्यशाला के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार की राजभाषा नीति का ही एक अंग है। उन्होंने प्रतिभागियों के समक्ष भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं अधिनियम की विस्तृत जानकारी दी तथा हिंदी में कार्य करने के आसान व सरल तरीके बताते हुए भारतीय संविधान में हिंदी के प्रावधानों की जानकारी दी।

कार्यशाला में उप निदेशक (राजभाषा) महोदय व्याख्यान देते हुए

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का भी उत्तर दिया गया तथा प्रतिभागियों के कार्य को ध्यान में रखते हुए लेखा एवं प्रशासनिक कार्यों में हिंदी का प्रयोग, वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 तथा पारिभाषिक शब्दावली की जानकारी देते हुए इसकी आवश्यकता व महत्ता पर विस्तृत जानकारी दी गई

तथा हिंदी-अंग्रेजी वाक्य संरचना को विस्तार से समझाते हुए कार्यालय के दैनंदिन कार्य में प्रयुक्त होने वाले शब्दों व वाक्यांशों के बारे में भी विस्तृत चर्चा की गई।

प्रश्नोत्तर सत्र

कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों ने अपनी विशेष रुचि दिखाते हुए उप निदेशक (राजभाषा) को अपनी समस्याओं का निवारण करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कहा कि ऐसी कार्यशाला से सरकारी कामकाज में काफी मदद मिलती है।

कार्यशाला में आरईसी राजभाष विभाग के प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा हिंदी ई-टूल्स के उपयोग पर अभ्यास आधारित प्रशिक्षण भी दिया गया।

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी

इस कार्यशाला में आरईसी मुख्यालय से कुल 65 अधिकारियों ने भाग लिया।

****